

## यीशु ने बहत्तर धर्मप्रचारकों को भेजा

बच्चों को पढ़ाए कि दूसरी जगहों पर प्रेरितों को भेजने का महत्व।



**प्रार्थना:** परमेश्वर, वचन को उस जगह पर ले जा हमारी सहायता कर जहां लोग इसे नहीं जानते, फिर भी यीशु उनके गुनाह माफ करके उनकी जिन्दगी में खुशी लाएगा।

बच्चों की उम्र और जरूरत के अनुसार सीखने की गतिविधियाँ चुनिये।

**लूका अध्याय 10:1-20** पढ़ें कि कैसे यीशु ने बाहत्तर प्रेरितों को भेजा जो प्रभु के राज्य का प्रचार करें। इससे मालूम पड़ता है कि कैसे यीशु ने उनको छोटे समूह में प्रशिक्षण दिया कि उसकी सेवकाई को आगे बढ़ाए ताकि वचन संसार के सब देशों में फैल जाए।

**अध्यापक या बड़ा बच्चा लूका 10:1-20 से कहानी का वर्णन करें।**

यह प्रश्न पूछें (पद सरंख्या उत्तर सहित हर प्रश्न के बाद है)

- हर समूह में कितने कार्यकर्ता गए (पदा, उसने दो दो करके भेजे)
- उन्होंने पहले किस बात की प्रार्थना की (पद 2)
- क्या वह नम्र होकर गए या लड़ाई की भावना से (पद 3)
- वह कितनी सामग्री लेकर गए (पद 4, यीशु चाहते थे कि वे कम से कम लेकर गए) ताकि प्रभु सामान पर भरोसा करे।
- क्या वह मार्ग में रुककर दोस्तों से मिले (पद 4)
- क्या वह उस घर में रुके रहे जिन्होंने शान्तिपूर्वक उनका स्वागत किया (5-8)
- जब वह लोगों से मिले तो उन्होंने कौन से दो काम किए (पद 9)
- यीशु ने उनसे क्या करने को कहा यदि लोग सुसमाचार का इनकार करें।
- जब चले यीशु की आज्ञा मानने लगे तो शैतान की ताकत का क्या हुआ (18)
- यीशु ने जो कहा वह ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि दुष्ट आत्माओं का बाध्य होना (20)

सत्तर चेलों की कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। कलीसियाई प्रार्थना के अगुवों के साथ मिलकर बच्चों को यह नाटक करने दें। बड़े बच्चों छोटे बच्चों की सहायता करें।

- बड़े बच्चे और पुरुष यीशु, शत्रु और वर्णनकर्ता का अभिनय करें। यह अच्छा होगा कि पुरुष शत्रु का पात्र करे।
- जवान बच्चे धन्या कहता है, जब परमेश्वर से मजदूरों को भजने को कहा”

**वर्णनकर्ता:** लूका 10:1-16 से कहानी का पहला भाग बताए। फिर बोले “सुनो यीशु ने अपने शिष्यों से क्या कहा जब उन्होंने परमेश्वर से मजदूरों को भेजने को कहा।”

**यीशु:** दो के झुण्ड में जाओ। सावधान रहो धोखेबाजों से बचो। सुसमाचार प्रचार करो, बीमारों को चंगा करो। प्रत्येक शहर में मेरे आगमन का प्रचार करो। प्रभु का राज्य निकट है।

**चले:** हम अपने साथ क्या लेकर जाएँ।

**यीशु:** कम से कम लेकर जाना। मार्ग में किसी से नहीं मिलना 1 वचन जरूरी है।

**चले:** हम कहाँ ठहरें।

**यीशु:** शक्ति का मनुष्य ढूंढो, जब तक उस शहर में हो वही ठहरो और उसका दिया हुआ खाना खाओ।

**चेले:** अगर लोग हमें स्विकार न करे तो हम क्या करें।

**यीशु:** अगर आपने संदेश स्पष्ट दिया है, तो भी वह तुम्हें अस्वीकार करते हैं, तब दूसरी जगह चले जाओ।

**चेले:** ये कहते हुए जोड़े में जाओ “सुसमाचार सुनो” यह तुम्हारी जिन्दगी बदल देगा। यीशु के नाम में चंगाई पाओ।

**शत्रु:** मेरा नाम शत्रु है। मैं लोगों से घृणा करता हूँ।

चेलो के पीछे चलो और अपने शब्दों में कहो:

दो के झुण्ड में मत जाओ। बड़े झुण्ड में रहो क्योंकि यह सुरक्षित है।

अपने साथ बहुत सारा सामान लेकर चलो इससे लोग प्रभावित होंगे।

अपने साथ बहुत सा भोजन लो।

रास्ते में अपने मित्रों से मिलो।

एक ही घर में नहीं रूको। वह जगह ढूंढो जहां खाना बेहतर हो।

यदि वह तुम्हारा संदेश स्वीकार न करे तो हिम्मत न हारो बल्कि दबाव डालो।

यदि किसी ने वचन एक बार सुनलिया तो उसको दुबारा वचन सुनाना गलत है सरलता से वचन का अंश उनके दरवाजे पर छोड़ जाओ।

**चेले:** शत्रु ने जो बातें कही, यीशु ने उसके विपरित कहा।

**वर्णनकर्ता:** लूका 10:17-23 से कहानी का दूसरा भाग बताएँ। फिर कहें “सुनो जब चले लौटकर आए तो उन्होंने यीशु से क्या कहा।

**चेले:** प्रभु यीशु, हम प्रसन्न हैं। आपके नाम में शक्ति है। आपके अधिकार के द्वारा हमने लोगों को चंगा किया। आपकी सामर्थ्य हमें देने के लिए धन्यवाद। हमने दृष्टात्माओं को भी बाँध दिया।

**यीशु:** सामर्थी होने पर प्रसन्न नहीं परन्तु तुम्हारे नाम स्वर्ग में लिखे जाएँ।

(प्रार्थना) पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आप उन लोगों के द्वारा काम करते हैं जो बच्चों से भी कमजोर हैं। मैंने अपनी सामर्थ्य और सच्चाई उन लोगों को दे दी जिनके विषय में तुमने मुझसे कहा।

**वर्णनकर्ता:** उन सबका धन्यवाद जिन्होंने सहायता की

**प्रश्न:** अगर बच्चों यह कहानी बड़ों के लिए प्रस्तुत करें, तो उन्हें बड़ों से प्रश्न पूछने दें जो पृष्ठ एक पर हैं।

बच्चे दो व्यक्तियों का चित्र बनाए जो सड़क पर चल रहे हैं। बच्चे उसकी नकल करें। बच्चे इस चित्र को बड़ों को आराधना के समय दिखायें और बताए कि कैसे हम सुसमाचार को उन लोगों तक ले जाते हैं जो दूसरी जगहों में रहते हैं।

विचार करो कि हम लोगों को यीशु को आज्ञा मानना कैसे सिखा सकते हैं।

**कविता:** दो बच्चे यशायाह अध्याय 52:7-8 बारी-से बारी पढ़ें।

और चार बच्चे यशायाह 52:7-10 बारी-से बारी पढ़ें।

बड़े बच्चे लूका 10: 2 और कोई अन्य पद लूका अध्याय 10 पर से कविता या गाना यीशु के शब्दों पर आधारित हो, लिखें।

**मरकुस अध्याय 1:15 याद करें।**

**प्रार्थना:** पिता, हमारी सहायता करें कि हम यीशु का शुभ-संदेश दूसरे लोगों तक पहुंचा सकें। हमें सांसारिक बनने में हमारी सहायता कर। जिस तरह चेलो ने तेरे नाम की महिमा दी, वैसे ही हम भी महिमा दें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from [www.Paul-Timothy.net](http://www.Paul-Timothy.net)